वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 37 | गुरुवार 9 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सौर ऊर्जा में राजस्थान बन रहा वैश्विक केंद्र: भजनलाल

इंटरनेशनल सोलर अलायंस ने राज्य सरकार के साथ फ्रेमवर्क फॉर एक्शन पर किए हस्ताक्षर

बिजली आपूर्ति में आएगा बड़ा सुधार, उपभोक्ताओं को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण बिजली

देश का पहला राज्य जिसके साथ आईएसए बना साझेदार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसके साथ 128 देशों के समूह वाले इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) ने फ्रेमवर्क फॉर एक्शन-एडवांस क्लीन एनर्जी, ड्रिवन सस्टेनेबल डवलपमेंट पर हस्ताक्षर किए है। यह इस बात का प्रतीक है कि राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल देश का बल्कि दुनिया का प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर फ्रेमवर्क फॉर एक्शन-एडवांस क्लीन एनर्जी, ड्रिवन सस्टेनेबल डवलपमेंट पर ऊर्जा सचिव आरती डोगरा एवं इंटरनेशनल सोलर अलायंस के महानिदेशक आशीष खन्ना ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों की अगुवाई कर रहा है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस भी प्रधानमंत्री की इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसने सौर ऊर्जा को वैश्विक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि आज हस्ताक्षरित हुआ फ्रेमवर्क फॉर एक्शन स्वच्छ, सुरक्षित और भविष्य के अनुरूप ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएसए के साथ इस साझेदारी से प्रदेश परंपरागत ऊर्जा से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ेगा। इसके अंतर्गत सौर ऊर्जा के विस्तार, प्रसारण और वितरण की व्यापक योजना तैयार की जाएगी जिससे आपूर्ति में बड़ा सुधार आएगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां राजस्थान को देश का अग्रणी अक्षय ऊर्जा राज्य बनाती हैं। आज राज्य में 22 गीगावॉट से अधिक की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता है जो देश में सबसे अधिक है। वहीं, कुल स्वच्छ ऊर्जा क्षमता लगभग 44 गीगावॉट है। वहीं, राजस्थान इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी में 125 गीगावॉट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज की पहल की गई है और सौर ऊर्जा को एकीकृत करने के लिए सहायक नीतियां बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना के माध्यम से 4 गीगावॉट से अधिक सौर क्षमता से किसानों को आज प्रदेश के 26 जिलों में दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने फ्रेमवर्क फॉर एक्शन की विशेषताओं की ओर इंगित करते हुए कहा कि इससे स्वच्छ ऊर्जा का सही तरीके से एकीकरण, प्रसारण, भंडारण और इस्तेमाल हो सकेगा। जैसे-जैसे हमारे ग्रिड में सौर ऊर्जा का हिस्सा बढ़ रहा है, हमें अपने पावर सिस्टम को और अधिक अनुकूल बनाना होगा। एनर्जी स्टोरेज, डिमांड साइड मैनेजमेंट, डिजिटलाइजेशन और स्मार्ट ग्रिड जैसे उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रसारण एवं वितरण तंत्र को मजबूत करने, ग्रिड क्षमता बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा के समुचित समावेशन और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

एआई से विद्युत मांग का होगा सटीक आकलन

उल्लेखनीय है कि आईएसए के साथ हस्ताक्षरित हुए फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के माध्यम से राजस्थान के लिए वर्ष 2030-35 की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एनर्जी ट्रांजिशन प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, प्रसारण एवं वितरण तंत्र के सुदृढीकरण, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, ऊर्जा दक्षता, मांग प्रबंधन, निवेश योग्य परियोजनाओं की पहचान, ऊर्जा मॉडलिंग, संस्थागत क्षमता निर्माण तथा आवश्यक नीतिगत सुधारों जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। साथ ही, इसके अंतर्गत एआई एण्ड एनेबल्ड डिजिटाइजेशन कार्य किया जाएगा। विशेष रूप से अजमेर विद्युत वितरण निगम में डिजिटल द्विन तकनीक पर आधारित पायलट परियोजना प्रारम्भ की जाएगी, जिससे विद्युत मांग का सटीक आकलन, नेटवर्क की बेहतर योजना, नवीकरणीय ऊर्जा का प्रभावी समावेशन तथा उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इस सहयोग से राज्य के अभियंताओं एवं अधिकारियों को वैश्विक स्तर के प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण और क्षमता निर्माण के अवसर भी प्राप्त होंगे।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में लाए अपेक्षित गति

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने और मुख्य सचिव को इस योजना की नियमित मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी एवं दूरगामी कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने पीएम कुसुम योजना, आरडीएसएस, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर की समीक्षा करते इनसे संबंधित कार्यों में गति लाने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के मौसम में विद्युत दुर्घटनाएं न हों तथा घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योग एवं किसानों को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, ऊर्जा शासन सचिव आरती डोगरा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। वहीं, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर एवं जोधपुर-अजमेर डिस्कॉम के अधिकारीगण वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

दिगंबर जैन महासमिति
पश्चिम संभाग, जयपुर
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
बारिश की हर बूंद का मान
पौधारोपण बने हमारी पहचान।
आइए, इस वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाएँ और प्रकृति को हरा-भरा बनाएं!
एक पौधा एक जीवन
हरी भरी धरती हमारी विरासत
पौधे लगाएँ पर्यावरण बचाएँ
स्वस्थ पर्यावरण सुखी परिवार
आज का पौधा, कल की हरियाली, आने वाले कल की खुशहाली।
आपके सेवक
निर्मल कुमार संघी
अध्यक्ष
महेंद्र छाबड़ा
मंत्री
मनोज गोधा
कोषाध्यक्ष
अशोक चांदवाड़
संयोजक (पर्यावरण)
विनय छाबड़ा
संयोजक (पर्यावरण)
आइए, हम सब मिलकर प्रकृति को दें नया जीवन, आने वाली पीढ़ियों के लिए
एक हरित, स्वच्छ और सुंदर भविष्य का निर्माण करें।

PC PLANET
A TECH COMPANY
TRANSFORMING BUSINESS THROUGH TECHNOLOGY

TALLY CERTIFIED PARTNER
3 Star Sales & Implementation

20+ YEARS OF INDUSTRY EXPERIENCE ★★★★★

COMPLETE BUSINESS AUTOMATION SOFTWARE SOLUTIONS

Smart Solutions to Simplify Operations, Strengthen Businesses & Drive Growth.

SMART SOLUTIONS
Automate. Optimize. Achieve more.

STRONGER BUSINESSES
Improve efficiency. Increase productivity.

SUSTAINABLE GROWTH
Build a future ready business.

OUR SOLUTIONS

BUSINESS AUTOMATION SOFTWARE
End-to-end software solutions to automate and streamline your business processes.

TALLYPRIME SOLUTIONS
Implementation, Training, Customization & Continuous Support.

CLOUD SERVICES
Secure, scalable & reliable cloud solutions for modern businesses.

IT HARDWARE & SOFTWARE
Wide range of genuine hardware & licensed software.

AMC SUPPORT
Hassle-free AMC support to keep your systems running smoothly.

CUSTOMIZATION SOLUTIONS
Tailor-made software solutions to match your unique business needs.

DATA SECURITY & BACKUP
Protect your data with advanced backup & security solutions.

TECHNICAL SUPPORT
Quick response support from our expert team.

WHY BUSINESSES TRUST PC PLANET

20+ Years of Industry Experience | Expert & Certified Professionals | Reliable Support & Service | Customized Solutions for Every Business | Proven Track Record of Success

CALL FOR SUPPORT / DEMO

+91 76140 37930
+91 92037 37930
+91 92036 37930
+91 98930 37930

SCAN TO VISIT OUR PARTNER PROFILE
tallysolutions.com/partners/pc-planet/

Tally POWER OF SIMPLICITY
AUTHORIZED TALLY PARTNER

SIMPLIFIED BUSINESS SOLUTIONS WITH #PCPLANET

IMPROVE EFFICIENCY | REDUCE COSTS | DRIVE GROWTH

Registered Office: PC Planet, F20, JK Complex, Gorakhpur, Jabalpur - 482001
nitin.j@thepcplanet.com
www.thepcplanet.com

राजनीति

99% आबादी की समस्याओं का समाधान कर सकता है 1% 'सुपर-रिच' वर्ग

ज्यां द्रेज

हाल ही में पेरिस स्थित वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब ने अपनी महत्वपूर्ण ग्लोबल जस्टिस रिपोर्ट जारी की है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी के नेतृत्व में तैयार इस रिपोर्ट में दुनिया के सामने मौजूद दो सबसे बड़े संकटों जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विषमता का व्यापक विश्लेषण करते हुए उनके समाधान का व्यावहारिक खाका प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट का केंद्रीय संदेश यह है कि यदि वैश्विक स्तर पर अत्यधिक संपन्न लोगों पर उचित कर लगाया जाए, तो पूरी दुनिया के लिए अधिक न्यायपूर्ण और टिकाऊ भविष्य का निर्माण संभव है। जलवायु परिवर्तन आज मानव अस्तित्व के लिए सबसे गंभीर चुनौती बन चुका है। औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वर्तमान गति जारी रही तो यह वृद्धि 3 डिग्री तक पहुंच सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में तापमान 5 डिग्री या उससे अधिक बढ़ने की आशंका है। भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य गर्म क्षेत्रों में इसका असर बेहद गंभीर होगा। भीषण गर्मी, जल संकट, कृषि उत्पादन में गिरावट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सामान्य जीवन को कठिन बना सकती हैं। इस संकट से बचने के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाकर पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना आवश्यक है, लेकिन इसके लिए भारी निवेश की जरूरत होगी। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया का दूसरा बड़ा संकट तेजी से बढ़ती आर्थिक असमानता है। एक ओर करोड़ों लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सीमित संख्या में लोग अपार संपत्ति के स्वामी बनते जा रहे हैं। आज दुनिया में लगभग 3,000 लोगों के पास एक अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों की संपत्ति कई देशों के वार्षिक बजट से भी अधिक हो चुकी है। इतनी अधिक संपत्ति का सीमित हाथों में केंद्रित होना लोकतंत्र और सामाजिक संतुलन दोनों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। रिपोर्ट बताती है कि अत्यधिक धन-संपन्न वर्ग मीडिया और सरकारी नीतियों पर प्रभाव डालने की क्षमता रखता है।

संपादकीय

भारत-इंडोनेशिया साझेदारी का नया अध्याय हुआ शुरू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 6 से 8 जुलाई 2026 तक की इंडोनेशिया यात्रा ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति और महासागर (एमएएचएएसएजीएआर) विजन को नई गति प्रदान की है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर सम्पन्न इस राजकीय यात्रा के दौरान रक्षा, व्यापार, आर्थिक सहयोग, समुद्री सुरक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, शिक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हुए। यह यात्रा केवल

द्विपक्षीय संबंधों को सशक्त बनाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक भूमिका का भी स्पष्ट संदेश देती है। जकार्ता के हलीम एयरबेस पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। इंडोनेशियाई वायुसेना के एफ-16 और एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया, जबकि राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो स्वयं चार मंत्रियों के साथ एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। कूटनीतिक दृष्टि से यह अत्यंत सम्मानजनक और दुर्लभ संकेत था। इसके बाद इस्ताना मदेर्का में औपचारिक स्वागत समारोह, गार्ड ऑफ ऑनर और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता आयोजित हुई। इसी अवसर पर राष्ट्रपति प्रबोवो ने प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''बिंतांग अदिपुर्णा'' प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान बताते हुए दोनों देशों की मित्रता का प्रतीक कहा। द्विपक्षीय वार्ता में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी। रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और एस्ट्रा एयर-टू-एयर मिसाइल से जुड़े सहयोग को विशेष महत्व मिला। फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस प्रणाली अपनाने वाला दूसरा देश बनने की दिशा में आगे बढ़ा है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। इसके अतिरिक्त साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास, निकेल एवं रेयर अर्थ जैसे महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग, डिजिटल भुगतान प्रणाली, स्वास्थ्य, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा इंडोनेशिया में परिसर स्थापित करने का निर्णय शैक्षणिक सहयोग और युवा आदान-प्रदान को नई दिशा देगा। इस यात्रा की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि यह रही कि प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशियाई संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। अपने संबोधन में उन्होंने दोनों देशों के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों, लोकतांत्रिक मूल्यों और समुद्री सहयोग की साझा विरासत पर बल दिया। उनका यह कथन कि ''समुद्र हमारे लिए कभी दूरी नहीं, बल्कि जुड़ाव का माध्यम रहा है'' दोनों देशों की ऐतिहासिक निकटता को प्रभावी ढंग से व्यक्त करता है। योग्याकार्ता स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर प्रंबनन मंदिर परिसर के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य का संयुक्त शुभारंभ भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। भारतीय समुदाय के साथ संवाद में प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की मित्रता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास व्यक्त किया। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मजबूत होती भारत की प्रशांत कूटनीति

अनिल वाधवा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामरिक प्रतिस्पर्धा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं नए स्वरूप में विकसित हो रही हैं, तकनीकी प्रतिस्पर्धा लगातार तेज हो रही है, ऊर्जा व्यवस्था परिवर्तन के दौर से गुजर रही है और समुद्री सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बन गई है। ऐसे समय में भारत ऐसे भरोसेमंद साझेदारों के साथ अपने संबंध मजबूत करना चाहता है, जो उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करें, लेकिन उसकी रणनीतिक स्वायत्तता भी अक्षुण्ण रहे। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड इस दृष्टि से भारत के स्वाभाविक साझेदार हैं। दोनों लोकतांत्रिक देश हैं, समुद्री शक्ति रखते हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, समावेशी तथा नियम-आधारित व्यवस्था के समर्थक हैं। पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में शामिल हो गया है। क्वाड के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग निरंतर गहरा हुआ है तथा रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर दोनों देशों की सोच में भी व्यापक समानता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग को और व्यापक बनाने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ खनिजों के विशाल भंडार हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी निर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हरित ऊर्जा और तकनीकी आत्मनिर्भरता के भारत के लक्ष्य को देखते हुए इन संसाधनों तक दीर्घकालिक एवं भरोसेमंद पहुंच रणनीतिक आवश्यकता बन गई है। नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए यूरेनियम आपूर्ति, हरित हाइड्रोजन तथा स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग भी दोनों देशों की साझेदारी को नई दिशा दे सकता है। दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार 25 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के बाद व्यापार और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब व्यापक आर्थिक साझेदारी के माध्यम से निवेश और व्यापार के लिए और अधिक अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता है। यदि ऑस्ट्रेलिया भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का सुरक्षा स्तंभ है, तो न्यूजीलैंड आर्थिक और तकनीकी सहयोग का नया द्वार खोल सकता है। हाल में संपन्न भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति दी है। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2.4 अरब डॉलर है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं की क्षमता की तुलना में अभी काफी कम है। न्यूजीलैंड कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट विशेषज्ञता रखता है। जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच उसका अनुभव भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और आधुनिक बनाने में उपयोगी सिद्ध हो सकता है। उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग भविष्य की साझेदारी को और मजबूत करेगा। मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में 20 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य भी व्यक्त किया है। भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ संबंधों की सबसे बड़ी शक्ति वहां का भारतीय समुदाय है।

सहकार भारती का जबलपुर विभागीय अभ्यास वर्ग संपन्न

जबलपुर. शाबाश इंडिया

सहकार भारती के जबलपुर विभाग के अंतर्गत जबलपुर, कटनी, डिंडोरी एवं नरसिंहपुर जिलों के कार्यकर्ताओं का विभागीय अभ्यास वर्ग रांझी स्थित सोम प्लेस में प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान के सान्निध्य में संपन्न हुआ। अभ्यास वर्ग का शुभारंभ भारत माता एवं सहकार भारती के संस्थापक लक्ष्मण राव ईमानदार के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सहकार भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हरनीत आर. सिंह ने सहकार गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कराया। प्रथम सत्र में सहकार भारती के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री डॉ. यतीश जैन ने संगठन की मूल अवधारणा, उद्देश्य एवं कार्यदृष्टि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग 12 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहकारिता से जुड़ी हुई है तथा वर्तमान समय में सहकारिता के क्षेत्र में नवाचार और प्रभावी जनभागीदारी की आवश्यकता है। द्वितीय सत्र में प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान ने संगठन की कार्यपद्धति पर मार्गदर्शन देते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन संचालन की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाए रखने तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। तृतीय सत्र में विभाग प्रमुख रामकृष्ण यादव ने कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास पर विचार रखते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास से ही संगठन निरंतर आगे बढ़ सकता है। चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में डॉ. यतीश जैन ने विभिन्न दायित्वों के प्रभावी निर्वहन पर मार्गदर्शन दिया, जबकि प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान ने कार्यकर्ताओं के कर्तव्यों, अनुशासन एवं संगठनात्मक उत्तरदायित्वों पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सहकार भारती जबलपुर महानगर के संगठन प्रमुख एडवोकेट अमिताभ भारती ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला मंत्री एडवोकेट सत्येंद्र जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में जबलपुर महानगर इकाई के अध्यक्ष संदीप अवस्थी का विशेष योगदान रहा। अभ्यास वर्ग में जबलपुर, कटनी, डिंडोरी एवं नरसिंहपुर जिलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर चिंतामणि जैन, अखिलेश दीक्षित, पूर्व विधायक दुलीचंद, नितेंद्र सिंह राजपूत, गंगा प्रसाद तिवारी, लालू प्रसाद दुबे, वासुदेव पारधे, श्रीमती आभा चौरसिया, प्रतीक अरमरकर, आदित्य मिश्रा, दीपक सैनी, डॉ. राकेश कुशवाहा, रामकुमार नामदेव, चक्रेश अहिरवार, वासु जी, नितिन जी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एडवोकेट ऋषभ निगम को सहकार भारती की सदस्यता ग्रहण कराते हुए संगठन में नवीन सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति एवं सकल जैन समाज, अग्रवाल फार्म, जयपुर
मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.)
द्वारा आयोजित

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
1 मार्च, 1952– 15 जुलाई, 2020

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
(धर्मपत्नी श्री ज्ञान चन्द जैन) की षष्ठम पुण्य स्मृति पर

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क जाँच शिविर

रविवार, 12 जुलाई 2026
प्रात: 9.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

नीता जैन

नि:शुल्क जाँच एवं परामर्श
1. डॉ. अविनाश जैन (DM), गठिया और ऑटोइम्यून बीमारी विशेषज्ञ
2. देशबन्धु ई.एन.टी. अस्पताल द्वारा कान, नाक, गले की जाँच
3. मनु श्री आई अस्पताल एवं आई 2 आई ऑप्टिवस द्वारा नेत्र जाँच
4. डॉ. प्रमिला जैन डेन्टल सर्जन द्वारा डेन्टल चेकअप एवं बी.पी, शुगर एवं कैल्सीयम की जाँच,
5. डॉ. विनोद गोत्तम, जनरल फिजिशियन द्वारा परामर्श
6. फिजियोथेरेपिष्ट डॉ. दीपक शर्मा, डॉ हिमांशु वशिष्ठ एवं डॉ. आस्था जैन द्वारा परामर्श

मुख्य अतिथि
श्रीमती मंजू शर्मा जी
सांसद लोकसभा जयपुर

स्थान- श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

सोभागमल जैन, सलाहकार, महामंत्री श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
सुमत प्रकाश जैन, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
शरद हिंगड़, अध्यक्ष, कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर
सिद्ध कुमार सेठी, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ नव युवक मण्डल
श्रीमती भँवरी देवी जैन, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल
पंकज जैन, मुख्य संयोजक, विद्या-वसु पाठशाला, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
जिनेश कुमार जैन, प्रदेश अध्यक्ष, WPSF
ज्ञानचन्द जैन, संयोजक एवं अध्यक्ष, मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर

सभी रक्तवीरों को प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

रक्तदान हेतु सम्पर्क करें:- 9414643144, 9414267852, 7793090000, 9529530467, 9314551550, 9351302142, 9887977479, 9413301367

:: पारसनाथ जिनेन्द्राय नमः ::

जंय जिनेन्द्रं

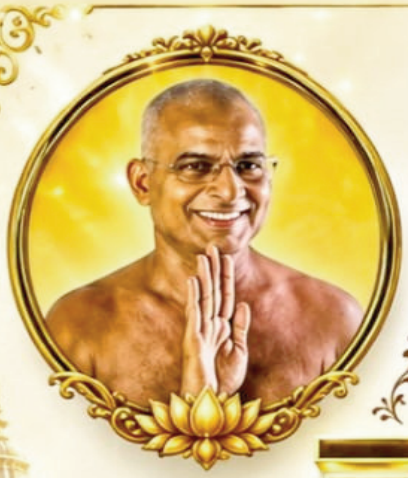

भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश

दिनांक : 22 जुलाई 2026

परम पूज्य गणाचार्य
श्री विराग सागर जी महाराज
एवं आचार्य श्री
श्री विशुद्ध सागर जी महाराज
के परम प्रभावक शिष्य

परम पूज्य सरल स्वभावी संत मुनिवर
श्री विश्वविजय सागर जी महाराज

स्थान

चिंतामणि पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,
पारस विहार, मुहाना मंडी, जयपुर (राज.)

निवेदक

सकल दिगम्बर जैन समाज,
मुहाना मंडी, जयपुर (राज.)

आप सभी सदर
सादर आमंत्रित हैं

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा में कोटा के मोहन भइया बने वासुदत्त सागर जी महाराज

संयम की राह पर चलने का संकल्प मामाजी ने बहुत पहले ले लिया था : विजय धुर्रा

कल हमारा भी नंबर आ जाए, इसी आस में यात्रा बीच में छोड़कर दीक्षा देखने आया हूं : प्रदीप पीएनसी

जन-जन तक पहुंचाना है जिनवाणी का संदेश : नीरज जैन

आगरा ने राग के बहुत प्रसंग देखे हैं, आज वैराग्य का प्रसंग देखेगा : मनोज वाकलीवाल

आगरा. शाबाश इंडिया

जैनाचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आगरा के पारस धाम, छीपीटोला में वैराग्य का अद्भुत और भावविभोर कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। कोटा (राजस्थान) के व्यवसायी मोहन लाल जैन ने सांसारिक जीवन का त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के दौरान उन्होंने अपने केश स्वयं उखाड़कर संयम मार्ग को अंगीकार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ने उन्हें भगवती दीक्षा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतमय मंगलाचरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मंच का उद्घाटन लोकोदय तीर्थ आगरा के अध्यक्ष निर्मल मोठया, स्वागताध्यक्ष प्रदीप पीएनसी, कार्याध्यक्ष हीरालाल बैनारा, उपाध्यक्ष राजेश जैन (गया वाले), महामंत्री नीरज जैन (सीटीवी), मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, सकल समाज अध्यक्ष जगदीश प्रसाद, मुख्य संयोजक मनोज वाकलीवाल, अनिल जैन फौजी, प्रवीण जैन नेता, सोनू सहित अन्य अतिथियों ने किया।

वैराग्य को दृढ़ कर आज संयम मार्ग पर बढ़ रहे हैं : विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि कोटा निवासी एवं केशवथाना प्रवासी मोहन भइया पिछले 16 वर्षों से गृहस्थ साधक के रूप में निरंतर वैराग्य की साधना कर रहे थे। कठिन तप और परीक्षा के बाद आज वे आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज के करकमलों से जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर संयम मार्ग पर अग्रसर हुए हैं। छह भाइयों में तीसरे स्थान पर रहने वाले मोहन भइया ने अपना भरापूरा परिवार छोड़कर जिनपथ को अपनाया है। उनके वैराग्य का साक्षी बनने के लिए पूरा ब्रज क्षेत्र यहां एकत्र हुआ है।

आगरा ने आज वैराग्य का ऐतिहासिक प्रसंग देखा : मनोज वाकलीवाल

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मनोज वाकलीवाल ने कहा कि आज छीपीटोला में एक साथ दो ऐतिहासिक समारोह हो रहे हैं। एक ओर मुनि श्री शिवदत्त सागर जी महाराज को उपाध्याय पद से विभूषित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कोटा के मोहन भइया जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आगरा ने राग के अनेक प्रसंग देखे हैं, लेकिन आज वैराग्य का अनुपम दृश्य देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

पूरा ब्रज प्रदेश पारस धाम में उमड़ पड़ा : प्रदीप पीएनसी

प्रमुख उद्योगपति प्रदीप पीएनसी ने कहा कि आज पूरा ब्रज प्रदेश पारस धाम में एकत्र हुआ है। हमारे संबंधी जैनेश्वरी दीक्षा लेकर वैराग्य के पथ को सुशोभित करने जा रहे हैं। मैं अपनी उत्तराखंड यात्रा बीच में छोड़कर इन पावन क्षणों का साक्षी बनने आया हूं। घर छोड़ने के लिए असाधारण साहस चाहिए। धन-संपत्ति का त्याग आसान है, लेकिन परिवार का त्याग अत्यंत कठिन होता है। सीटीवी के निदेशक नीरज जैन ने कहा कि आज आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज द्वारा संपन्न कराए जा रहे दो शुभ आयोजनों का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अब जन-जन तक जिनवाणी का संदेश पहुंचाना हमारा दायित्व है।

दीक्षा के लिए सबसे पहले वैराग्य आवश्यक है : आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज

आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि मोहन भइया लंबे समय से दीक्षा की भावना कर रहे थे। आज शुभ मुहूर्त में उन्हें दीक्षा प्रदान की जा रही है। उनके वैराग्य को देखने के लिए इतना विशाल जनसमुदाय यहां उपस्थित हुआ है। दीक्षा के लिए सबसे पहले वैराग्य आवश्यक होता है। उनकी साधना, दृढ़ता और आत्मबल को हमने निकट से देखा है। उन्होंने कहा कि मोक्ष मार्ग अत्यंत कठिन है। इस मार्ग पर शरीर के बल से नहीं, बल्कि आत्मबल से चला जाता है। दीक्षा मिलते ही परीक्षा प्रारंभ हो जाती है। सबसे पहले अपने केश स्वयं उखाड़ने होते हैं, फिर निर्वस्त्र रहकर साधना करते हुए लज्जा का त्याग कर बालकवत चर्या का पालन करना पड़ता है। यह संपूर्ण प्रक्रिया शास्त्रसम्मत विधि से संपन्न कराई जाती है।

मुनि श्री शिवदत्त सागर जी महाराज को मिला उपाध्याय पद

समारोह के दौरान मुनि श्री शिवदत्त सागर जी महाराज को उपाध्याय पद से विभूषित किया गया। इसके लिए शास्त्रसम्मत 25 संस्कारों की विधियां संपन्न कराई गईं। दीक्षार्थी को नवीन पिच्छिका एवं कमंडलु भेंट करने का सौभाग्य उनके सुपुत्र उमेश जैन, तिलक जैन, धर्मेंद्र जैन, केशव जैन, मनोज कुमार जैन (केशवथाना) सहित अन्य परिजनों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी, मुरादाबाद, हिसार, गुरुग्राम, जयपुर, कोटा, अशोकनगर, सागर, झांसी, ललितपुर सहित विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आयोजन समिति द्वारा सम्मान किया गया।

गुरु कुन्दन लाल गंगानी जन्म शताब्दी समारोह का पोस्टर जारी, तीन दिनों तक जयपुर में गूंजेगी कथक और संगीत की साधना

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित गुरु कुन्दन लाल गंगानी जन्म शताब्दी समारोह का पोस्टर मंगलवार को जयपुर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान जारी किया गया। आयोजन समिति ने तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह आयोजन भारतीय शास्त्रीय कला की समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास होगा। समिति के अनुसार समारोह 14, 15 और 16 जुलाई 2026 को जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में प्रतिदिन सायंकाल 5:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। तीनों दिनों में देश के प्रतिष्ठित कथक कलाकार एवं संगीत साधक अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की विविध विधाओं का प्रदर्शन करेंगे।

गुरु कुन्दन लाल गंगानी को समर्पित रहेगा आयोजन

आयोजन समिति ने बताया कि यह समारोह कथक के महान आचार्य पंडित कुन्दन लाल गंगानी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। समारोह के माध्यम से उनके कला जीवन, शिक्षण परंपरा तथा सांस्कृतिक योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। समिति का कहना है कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा को सशक्त बनाने और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम बनेगा।

गुरु वंदना से होगा शुभारंभ

समारोह का शुभारंभ प्रथम दिवस पर गुरु वंदना से होगा। इसके पश्चात राजेन्द्र गंगानी, जी.के.जी., मनीषा गुल्यानी, साधना स्वरंग तथा पंडित राम मोहन महाराज अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इन प्रस्तुतियों में कथक और शास्त्रीय संगीत की विभिन्न शैलियों का सुंदर समन्वय देखने को मिलेगा।

दूसरे दिन संत परंपरा और कथक का संगम

दूसरे दिन त्रिवेणी कला संगम की ओर से कबीर वाणी पर आधारित विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा साधना, गुरु चेतना ज्योतिषी तथा गुरु पंडित चरण गिरधर चांद अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की समृद्ध परंपरा को मंच पर जीवंत करेंगे।

समापन दिवस पर विशेष प्रस्तुतियां

समारोह के तीसरे एवं अंतिम दिन संगीत गंगानी, गुरु प्रेरणा श्रीमाली, गुरु शोभा कोशेर तथा गुरु शशि सांखला अपनी प्रस्तुतियां देंगे। समापन समारोह में विभिन्न कलाकार गुरु कुन्दन लाल गंगानी की कला साधना और उनके सांस्कृतिक योगदान को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

कला प्रेमियों के लिए रहेगा विशेष आकर्षण

आयोजन समिति के अनुसार यह तीन दिवसीय समारोह भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के प्रति रुचि रखने वाले कला प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले प्रतिष्ठित कलाकार एक ही मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे, जिससे दर्शकों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत की विविध विधाओं का सजीव अनुभव प्राप्त होगा। समारोह का आयोजन जवाहर कला केंद्र, जयपुर में प्रतिदिन सायंकाल 5:30 बजे से किया जाएगा। इसमें कला, संस्कृति और संगीत जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों तथा बड़ी संख्या में दर्शकों की सहभागिता रहने की संभावना है।

छबड़ा सुपरक्रिटिकल पावर प्रोजेक्ट में पर्यावरण संरक्षण अभियान, मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में हुआ वृक्षारोपण

छबड़ा.शाबाश इंडिया

छबड़ा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) के विस्तार के उद्देश्य से मानसून सत्र के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार ने पौधारोपण कर किया। इसके बाद परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार ने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पूर्ण विकसित होने तक नियमित देखभाल, संरक्षण एवं सिंचाई सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का आह्वान किया। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने छबड़ा थर्मल पावर प्रशासन द्वारा परिसर को हरित एवं प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए प्रत्येक पौधे का नियमित संरक्षण किया जाए और उन्हें विकसित होने तक आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराई जाए।

राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ की त्रैवार्षिक कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ की त्रैवार्षिक कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को चुनाव अधिकारी धर्मराज गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का निर्वाचन किया गया। निर्वाचन परिणाम के अनुसार विनय कुमार जौली को अध्यक्ष, श्रीमती सुमति विश्नोई को उपाध्यक्ष (एस), दीपक मीणा को उपाध्यक्ष (बी), चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव को सचिव, राजेश कुमार जोशी को संयुक्त सचिव (बी), धनकुमार जैन को संयुक्त सचिव (एस), सुभाष पारीक को कोषाध्यक्ष, महेन्द्र कुमार गर्ग को विद्यालय निदेशक तथा दिनेश गुप्ता को कोर कमेटी का संयोजक निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रतीक अग्रवाल, अमरचंद खटीक, दीपक कुमावत, डॉ. पी.सी. जैन, श्रीमती सुनीता अमीन, श्रीमती नीलू प्रेमचंदानी, सूरज भान शर्मा, तारा चन्द्र जोशी, सीताराम कुमावत, ओमप्रकाश माली तथा आदित्य पारीक का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती विन्नी गुप्ता को संघ का मनोनीत विधि सलाहकार नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संघ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने, दृष्टिबाधित जनों के कल्याण, शिक्षा, पुनर्वास तथा सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। चुनाव अधिकारी धर्मराज गुर्जर ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी संगठन के विकास और सेवा कार्यों को नई दिशा प्रदान करेगी। निर्वाचन परिणाम के अनुसार विनय कुमार जौली अध्यक्ष, श्रीमती सुमति विश्नोई उपाध्यक्ष (एस), दीपक मीणा उपाध्यक्ष (बी), चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव सचिव, राजेश कुमार जोशी संयुक्त सचिव (बी), धनकुमार जैन संयुक्त सचिव (एस), सुभाष पारीक कोषाध्यक्ष, महेन्द्र कुमार गर्ग विद्यालय निदेशक तथा दिनेश गुप्ता कोर कमेटी के संयोजक निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रतीक अग्रवाल, अमरचंद खटीक, दीपक कुमावत, डॉ. पी.सी. जैन, श्रीमती सुनीता अमीन, श्रीमती नीलू प्रेमचंदानी, सूरज भान शर्मा, तारा चन्द्र जोशी, सीताराम कुमावत, ओमप्रकाश माली एवं आदित्य पारीक का निर्वाचन हुआ। इसके अतिरिक्त श्रीमती विन्नी गुप्ता को संघ का मनोनीत विधि सलाहकार नियुक्त किया गया।

निर्वाचित पदाधिकारी

निर्वाचन परिणाम के अनुसार विनय कुमार जौली अध्यक्ष, श्रीमती सुमति विश्नोई उपाध्यक्ष (एस), दीपक मीणा उपाध्यक्ष (बी), चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव सचिव, राजेश कुमार जोशी संयुक्त सचिव (बी), धनकुमार जैन संयुक्त सचिव (एस), सुभाष पारीक कोषाध्यक्ष, महेन्द्र कुमार गर्ग विद्यालय निदेशक तथा दिनेश गुप्ता कोर कमेटी के संयोजक निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रतीक अग्रवाल, अमरचंद खटीक, दीपक कुमावत, डॉ. पी.सी. जैन, श्रीमती सुनीता अमीन, श्रीमती नीलू प्रेमचंदानी, सूरज भान शर्मा, तारा चन्द्र जोशी, सीताराम कुमावत, ओमप्रकाश माली एवं आदित्य पारीक का निर्वाचन हुआ। इसके अतिरिक्त श्रीमती विन्नी गुप्ता को संघ का मनोनीत विधि सलाहकार नियुक्त किया गया।

गोयनका परिवार, मुंबई बना पुण्य का भागी, निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 139 मरीज लाभान्वित

गुलाबपुरा.शाबाश इंडिया

7 जुलाई 2026। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा द्वारा माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित नियमित निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 139 मरीजों का उपचार कर उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इनमें 21 नए मरीज भी शामिल रहे। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि संस्था परिसर में आयोजित शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. चंडक ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए सभी मरीजों की जांच की तथा आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराईं। उन्होंने बताया कि शिविर के लाभार्थी के रूप में यशवर्धन गोयनका, नताशा गोयनका, कृष्णा गोयनका एवं अर्जुन गोयनका (मुंबई) ने सहयोग प्रदान कर पुण्य के भागी बने। शिविर के दौरान संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष राजेंद्र चौरड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि मदनलाल लोढ़ा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव, उपचार एवं योग के महत्व की विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास अपनाने का आग्रह किया। वहीं ताराचंद पाडलेचा ने सभी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। शिविर में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे जुलाई माह के सभी शिविरों में निःशुल्क भोजन सेवा की व्यवस्था स्वर्गीय हस्तीमल नाहर की पुण्य स्मृति में संजय कुमार नाहर एवं तनिष्क कुमार नाहर (मसूदा) की ओर से की गई। इस सेवा का लाभ शिविर में आए 250 से अधिक मरीजों एवं उनके परिजनों ने प्राप्त किया। शिविर के सफल संचालन में मदनलाल लोढ़ा, राजेंद्र चौरड़िया, नवीन डोसी, मदनलाल रांका, सुशील चौधरी, बंसीलाल डोसी, अनिल चौधरी, दिनेश जोशी, प्रेम पाडलेचा, दिलीप पाराशर, नौरत चपलोत, कमल कावड़िया, राजेंद्र जायसवाल, दिलीप विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। समिति ने बताया कि संस्था का उद्देश्य मिर्गी रोग से पीड़ित मरीजों को नियमित उपचार, दवा एवं जागरूकता उपलब्ध कराकर उन्हें स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने में सहयोग प्रदान करना है।

सात वर्षों बाद इतिहास रचेगा पुष्पगिरी तीर्थ, आज होगा गुरु-शिष्य का दिव्य महामिलन

चातुर्मास मंगल प्रवेश के साथ साक्षी बनेगा अविस्मरणीय आध्यात्मिक इतिहास

सोनकच्छ.शाबाश इंडिया

कोडरमा। जैन समाज के लिए 9 जुलाई 2026 का दिन आध्यात्मिक इतिहास के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। सात वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता, युगद्रष्टा एवं धर्म प्रभावक गणाचार्य श्री 108 पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज तथा साधना महोदधि, विश्व तपोनिष्ठ अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी गुरुदेव का दिव्य एवं भावविभोर कर देने वाला गुरु-शिष्य महामिलन पुष्पगिरी तीर्थ, सोनकच्छ (मध्यप्रदेश) में संपन्न होगा। इसी पावन अवसर पर पुष्पगिरी चातुर्मास 2026 का भव्य मंगल प्रवेश भी होगा। आयोजकों के अनुसार यह केवल दो महान संतों का मिलन नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण, वात्सल्य, गुरु-भक्ति और आध्यात्मिक प्रेम का अनुपम संगम होगा, जिसकी प्रतीक्षा हजारों श्रद्धालु वर्षों से कर रहे हैं। यह ऐतिहासिक क्षण उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए जीवनभर की अविस्मरणीय आध्यात्मिक स्मृति बन जाएगा।

भव्य शोभायात्रा के साथ होगा मंगल प्रवेश

कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी गुरुदेव अपने विशाल संघ के साथ बिजासन माता मंदिर, सोनकच्छ से दोपहर 2:30 बजे जयघोषों के बीच भव्य मंगल शोभायात्रा के साथ पुष्पगिरी तीर्थ के लिए प्रस्थान करेंगे। इस शोभायात्रा में इंदौर, देवास, जावर, मेहतवाड़ा, आष्टा, सीहोर, सोनकच्छ सहित अनेक नगरों से हजारों श्रद्धालु, महिला एवं बहू मंडल, युवक-युवती मंडल तथा समाजजन उत्साहपूर्वक सहभागी होंगे।

गुरु का अपने प्रिय शिष्य के प्रति अनुपम स्नेह बनेगा आकर्षण का केंद्र: समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आएगा, जब गणाचार्य श्री 108 पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज स्वयं पुष्पगिरी तीर्थ से न्यायालय मार्ग तक पधारकर अपने प्रिय शिष्य आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी गुरुदेव एवं उनके विशाल संघ की अगवानी करेंगे और उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद प्रदान करेंगे। सात वर्षों के अंतराल के बाद होने वाला यह मिलन गुरु-शिष्य परंपरा, आत्मीयता और आध्यात्मिक संस्कृति की अनुपम मिसाल बनेगा।

न्यायालय भवन के समीप होगा ऐतिहासिक महामंगल मिलन

दोनों आचार्यों का महामंगल मिलन दोपहर 3:30 बजे न्यायालय भवन, पुष्पगिरी तीर्थ के समीप हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में होगा। इस अवसर पर श्रद्धालु गुरु-शिष्य के दिव्य

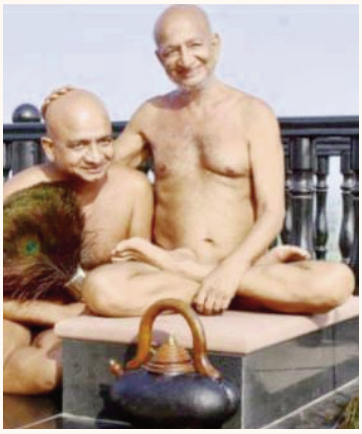

मिलन के साक्षी बनेंगे। महामंगल मिलन के उपरांत श्रद्धालुओं को श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान, श्री 1008 पद्मप्रभु भगवान, श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान तथा लगभग 2000 वर्ष प्राचीन श्री 1008 अरहनाथ भगवान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। इसके पश्चात श्री पद्मश्री माताजी सभागृह में आयोजित समारोह में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, सोनकच्छ महिला एवं बहू मंडल द्वारा भक्ति नृत्य एवं मंगलाचरण, पुष्पगिरी ट्रस्ट के अध्यक्ष का स्वागत उद्बोधन, गणाचार्य गुरुराज का चरणाभिषेक, पुष्पवृष्टि, संघपति एवं विशिष्ट श्रद्धालुओं का सम्मान तथा दोनों आचार्यों के मंगल प्रवचन एवं आशीर्वचन होंगे। समारोह के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए वात्सल्य भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

परिवार सहित सहभागिता का किया आग्रह

श्री पुष्पदन्तसागर दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति न्यास ट्रस्ट मंडल एवं अंतर्मना गुरु भक्त परिवार, पुष्पगिरी तीर्थ ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव में सहभागी बनने का आग्रह किया है। आयोजकों का कहना है कि यह दुर्लभ अवसर गुरु-शिष्य प्रेम, श्रद्धा और समर्पण की दिव्य अनुभूति का साक्षी बनेगा, जो युगों तक स्मरणीय रहेगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा एवं सचिव सुभाष जैन ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर आकाश जैन एवं समस्त पुष्पगिरी ट्रस्ट मंडल भी आयोजन व्यवस्था में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है।

संकलनकर्ता: राजकुमार जैन अजमेरा, मीडिया प्रभारी, कोडरमा।

भक्तामर साधना आत्मबल का स्रोत, इच्छाओं को उपशांत किए बिना इन्द्रियों पर नियंत्रण संभव नहीं: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया

8 जुलाई 2026। शास्त्रीनगर सेक्टर-36 स्थित गौखरू निवास पर बुधवार को श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा., हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी, मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी महासती एवं पियूषदर्शनाजी सहित संत एवं साध्वीवृंद के सान्निध्य में सामूहिक भक्तामर स्तोत्र एवं प्रार्थना-जाप का आयोजन हुआ। इस अवसर पर युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र जैन दर्शन की आध्यात्मिक साधना का महत्वपूर्ण आधार है। यह केवल स्तुति नहीं, बल्कि श्रद्धा, साधना, आत्मजागरण और आत्मबल का सशक्त माध्यम है। इसकी आराधना भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में भी श्रद्धापूर्वक की जा रही है। उन्होंने कहा कि भक्तामर स्तोत्र का श्रद्धा एवं विश्वास के साथ जाप करने वाले असंख्य साधकों ने जीवन की विषम परिस्थितियों, शारीरिक एवं मानसिक कष्टों तथा आध्यात्मिक बाधाओं का सामना करने का आत्मबल प्राप्त किया है। साधना का उद्देश्य चमत्कार की अपेक्षा करना नहीं, बल्कि परमात्मा के प्रति निष्कपट श्रद्धा, आत्मपरिष्कार और आत्मानुशासन का विकास करना है। श्रद्धा, विश्वास और समर्पण के साथ की गई भक्तामर साधना साधक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, आत्मबल, आंतरिक शांति और सुख का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके पश्चात अहिंसा भवन, शास्त्रीनगर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवाचार्यश्री ने श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र के उन्नीसवें अध्ययन का विवेचन किया। उन्होंने कहा कि परमात्मा मनुष्य के जीवन से चुनौतियों को समाप्त नहीं करते, बल्कि उनका सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं। जीवन की दिशा और दशा का निर्धारण आत्मबल, विवेक और संयम से होता है। उन्होंने कहा कि केवल इन्द्रियों का दमन करने से वे उपशांत नहीं होतीं। जब तक इच्छाएं शांत नहीं होतीं, तब तक इन्द्रियों पर नियंत्रण संभव नहीं है। भोगों से इच्छाएं कभी समाप्त नहीं होतीं, बल्कि निरंतर बढ़ती जाती हैं। इसलिए आत्मसंयम की शुरूआत इच्छाओं के उपशमन से होती है। युवाचार्यश्री ने कहा कि अनियंत्रित इन्द्रियों का आवेग व्यक्ति की वर्षों से अर्जित प्रतिष्ठा को भी क्षणभर में धूमिल कर सकता है। आज क्षणिक आकर्षण और अल्पकालिक परिचय के प्रभाव में अनेक बच्चे माता-पिता के वर्षों के प्रेम, स्नेह और संस्कारों को भी भुला देते हैं। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं को

नियंत्रित कर लेता है, वही इन्द्रियों पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है। इन्द्रियों के उपशांत होने पर ही जीवन सुखी बनता है। परमात्मा की भक्ति ईमानदारी, निष्कपट श्रद्धा और संयम के साथ होनी चाहिए। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाता, उसके लिए इन्द्रिय सुख अंततः दुःख का कारण बन जाते हैं। धर्मसभा से पूर्व युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. सहित संत एवं साध्वीवृंद का शास्त्रीनगर स्थित गौखरू निवास पर पुष्पा-राजेन्द्र गौखरू तथा अहिंसा भवन, शास्त्रीनगर की ओर से अभिनंदन किया गया।

22 से 24 नवंबर तक जयपुर में होगा जेएसए सिल्वर शो, देश-विदेश के एग्जीबिटर्स और बायर्स होंगे शामिल

जयपुर.शाबाश इंडिया

8 जुलाई 2026। सिल्वर ज्वैलरी उद्योग को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से 22 से 24 नवंबर 2026 तक जयपुर में जेएसए सिल्वर शो का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय यह बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) प्रदर्शनी बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित होगी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी एग्जीबिटर्स, बायर्स और ज्वैलरी कारोबारियों के शामिल होने की संभावना है। जेएसए के चेयरमैन उज्ज्वल डेरेवाला ने बताया कि आयोजन का निर्णय हाल ही में एसोसिएशन की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि जेएसए सिल्वर शो के माध्यम से जयपुर के सिल्वर ज्वैलरी उद्योग को वैश्विक मंच मिलेगा और व्यापार विस्तार के नए अवसर विकसित होंगे।

जयपुर की सिल्वर ज्वैलरी को मिलेगा वैश्विक मंच

एसोसिएशन के सचिव राहुल जैन तथा वाइस चेयरमैन अभिनीत बूचरा और अभिषेक बंसल ने बताया कि प्रदर्शनी में सिल्वर ज्वैलरी के नवीनतम कलेक्शन, आधुनिक डिजाइनों और जयपुर की पारंपरिक कारीगरी का प्रदर्शन किया जाएगा। देश-विदेश से आने वाले एग्जीबिटर्स और बायर्स के बीच बिजनेस नेटवर्किंग, नए ऑर्डर तथा व्यापारिक साझेदारी के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। इससे जयपुर की सिल्वर ज्वैलरी को वैश्विक बाजार में नई पहचान मिलने के साथ निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. अरुण गर्ग और श्रीमती अनीता डिंगरा होंगे कन्वीनर

जेएसए सिल्वर शो के सफल आयोजन की जिम्मेदारी डॉ. अरुण गर्ग एवं श्रीमती अनीता डिंगरा को कन्वीनर के रूप में सौंपी गई है। उनकी देखरेख में आयोजन की सभी तैयारियां की जाएंगी, ताकि प्रदर्शनी का संचालन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक किया जा सके।

चतुर्गति में भ्रमण करना ही संसार है : सिद्धांत चक्रवर्ती वैज्ञानिक धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव

सागवाड़ा.शाबाश इंडिया

सिद्धांत चक्रवर्ती वैज्ञानिक धमार्चार्य कनक नंदी गुरुदेव ने पुनर्वास कॉलोनी, सागवाड़ा से आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार को संबोधित करते हुए कहा कि संसरण करना ही संसार है। सिद्ध भगवान लोक में विराजमान हैं, लेकिन संसार में नहीं हैं। चतुर्गति में भ्रमण करना ही वास्तविक अर्थों में संसार है। उन्होंने कहा कि संसार औदयिक, पारिणामिक, औपशमिक सहित विभिन्न भावों से होता है। आठ प्रकार के कर्मों से बंधे हुए नारकी, मनुष्य, तिर्यंच और देव आदि जीव संसार में भ्रमण करते हैं। मिथ्यात्व, असंयम और योग ही संसार के मूल कारण हैं। संसार बाहर नहीं, बल्कि जीव के अपने भावों में विद्यमान है। धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव ने कहा कि अभव्य जीवों की अपेक्षा संसार अनादि-अनंत है, जबकि भव्य जीवों की अपेक्षा अनादि-सांत है। उन्होंने बताया कि अनुयोगों के माध्यम से संसार का स्वरूप समझा जाता है। सभी विद्याओं का आधार अक्षर और अंक हैं। अक्षरों से भाषा का ज्ञान तथा अंकों से गणित का ज्ञान प्राप्त होता है, चाहे वह लौकिक हो या अलौकिक। उन्होंने कहा कि निंदा, चुगली, ईर्ष्या, घृणा, मोह, राग और द्वेष करना जीव के लिए सरल प्रतीत होता है, क्योंकि अनादि काल से वह इन्हीं प्रवृत्तियों में रत रहा है। इसके विपरीत आत्मज्ञान और वैराग्य का मार्ग कठिन साधना से प्राप्त होता है। धर्माचार्य ने कहा कि गर्भावस्था और जन्म के समय माता एवं संतान दोनों को अत्यंत कष्ट होता है। शलाका पुरुषों को छोड़कर प्रत्येक जीव जन्म और मृत्यु के दुःख का अनुभव करता है, लेकिन क्षायोपशमिक ज्ञान की अल्पता के कारण उसे पूर्वजन्मों की स्मृति नहीं रहती। मनुष्य हो या तिर्यंच, प्रत्येक माता को प्रसव के समय पीड़ा सहनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु का भय जीव के साथ अनादि काल से जुड़ा हुआ है। आचार्य परंपरा में कहा गया है कि जीव ने अनंत बार जन्म-मरण के चक्र में जितने आँसू बहाए हैं, उन्हें एकत्र किया जाए तो समुद्र बन सकता है। इसी कारण आचार्य परंपरा में सामान्य जन्मदिवस नहीं मनाए जाते, जबकि तीर्थंकर भगवान का जन्म अंतिम जन्म होने के कारण उसे जन्म कल्याणक के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रियजनों का वियोग, अनिष्ट संयोग तथा कायिक, वाचिक और मानसिक दुःख सभी जीवों को समान रूप से प्रभावित करते हैं। पशु-पक्षियों में भी संवेदनशीलता अत्यंत प्रबल होती है। अनेक बार शाकाहारी पशु अपने बच्चों की रक्षा के लिए भी उग्र हो जाते हैं और कई मादाएं संतानों के वियोग में भोजन तक त्याग देती हैं। धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव ने कहा कि जैन धर्म में पाप, उसके परिणाम तथा दुःखों का विस्तृत वर्णन इसलिए किया गया है, ताकि जीव में ज्ञान और वैराग्य का जागरण हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी तीर्थंकर या साधु को सांसारिक सुख-सुविधाओं से वैराग्य प्राप्त नहीं हुआ, बल्कि जीवन के यथार्थ को समझकर ही उन्होंने त्याग का मार्ग अपनाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनि श्री सुविज्ञ सागर जी गुरुदेव ने आचार्यश्री द्वारा रचित कविता–

''ना पक्षपात का भाव, ना तोड़-फोड़ का काम।
हे कनक नंदी का भाव, विश्व कल्याण का काम।।''

का पाठ कर मंगलाचरण किया। कार्यक्रम की जानकारी सागवाड़ा निवासी विजयलक्ष्मी गोदावत ने दी।

मुनिसंघ वैय्यावृत्ति महिला समूह का वार्षिक लहरिया उत्सव उल्लासपूर्वक सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

मुनिसंघ वैय्यावृत्ति महिला समूह की ओर से मंगलवार को गायत्री नगर जैन मंदिर परिसर में वार्षिक लहरिया उत्सव का आयोजन उत्साह एवं धार्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य संयोजिका प्रमिला शाह द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथियों अनीता बड़जात्या, सुशीला काला, कमला बिलाला, हेमलता जैन, मैना देवी सोगानी, अंजू जैन, अमिता जैन, संगीता जैन, सुनीला झांझरी, लीला सोगानी, चन्द्रकान्ता जैन, निशा जैन, संगीता अजमेरा एवं नेहा कटारिया ने भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का महिला समूह की संयोजिकाओं ने तिलक, माला, दुपट्टा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। साथ ही वर्तमान सामाजिक समस्याओं पर आधारित शिक्षाप्रद नाटक, हास्य नाटिका, हाउजी तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह का वातावरण बना रहा। स्थानीय महिलाओं ने लहरिया उत्सव से जुड़े लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दीं, जिन्हें उपस्थित महिलाओं ने खूब सराहा। मुख्य संयोजिका प्रमिला शाह ने महिला समूह की गतिविधियों की जानकारी देते हुए नई महिलाओं से समूह से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिदिन अपने पुण्य में वृद्धि करनी है तो महिला समूह की सदस्यता ग्रहण कर मानव सेवा, गुरुओं की सेवा, जीवदया तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर समूह से जुड़ी नई

महिलाओं को सेवा एवं समाजहित के कार्यों के लिए संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम के अंत में संयोजिका लता सोगानी एवं संगीता छाबड़ा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया। समारोह सौहार्द, उत्साह और धार्मिक भावनाओं के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

मोक्ष मार्ग की सबसे बड़ी बाधा ख्याति की इच्छा है : भावलिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज

गुड़गांव.शाबाश इंडिया

8 जुलाई 2026। डीएलएफ फेस-2 स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में बुधवार प्रातः परमपूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक, भावलिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज अपने चतुर्विध संघ सहित पधारे। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज ने आचार्य संघ की भव्य मंगल अगवानी कर श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में वैराग्य पथ पर अग्रसर त्यागी ब्रह्मचारी भैयाजी की विनौली यात्रा एवं गोद भराई का धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भावपूर्वक दीक्षार्थियों की अनुमोदना करते हुए उनके संयममय जीवन की मंगलकामना की। परमपूज्य पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महामुनिराज के करकमलों से भगवती दिगम्बर जैन दीक्षा प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों में बाल ब्रह्मचारी अंकित भैयाजी (प्रतापगढ़, राजस्थान), बाल ब्रह्मचारी अनिकेत भैयाजी (मुंबई), बाल ब्रह्मचारी यश भैयाजी (अहमदाबाद), बाल ब्रह्मचारिणी प्रसन्ना (औरंगाबाद) तथा ब्रह्मचारी वकीलचंद भैयाजी (बड़ौत) शामिल हैं। इन सभी दीक्षार्थियों ने सद्गुरु के चरणों में आत्मसमर्पण करते हुए प्रथम विनौली यात्रा एवं गोद भराई संस्कार सम्पन्न किए।

प्रदेश में खुशहाली, विश्व शांति और सुख-समृद्धि की कामना से हुआ श्री 1008 शांतिनाथ पूजा विधान

मण्डल पर श्रीफल के साथ चढ़ाए गए 121 अर्घ्य, 108 दीपों से हुई महाआरती

जयपुर.शाबाश इंडिया

8 जुलाई 2026। प्रदेश में खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं विश्व शांति की मंगलकामना के साथ सांगानेर स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में बुधवार को श्री 1008 शांतिनाथ पूजा विधान का भव्य आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने संगीतमय वातावरण में पूजा-अर्चना कर भगवान शांतिनाथ से विश्व कल्याण की प्रार्थना की। समाजसेवी विनोद जैन 'कोटखावदा' एवं दीपिका जैन के नेतृत्व में आयोजित विधान में अष्टद्रव्यों से मण्डल की पूजा की गई तथा इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा श्रीफल के साथ 121 अर्घ्य समर्पित किए गए। अभादी जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि मंगलाष्टक एवं अभिषेक पाठ के साथ सूर्य नगर तारों की कूंट निवासी विनोद जैन 'कोटखावदा', मनीष बगड़ा, अमित पाटनी, अंकित सोनी, शुभम हल्दैनिया, अनिल ठोलिया तथा जैनम जैन ने मंत्रोच्चार के बीच जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का अभिषेक किया। इसके पश्चात विश्व, देश एवं प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए वृहद शांतिधारा सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा, मनीष-संतोष बगड़ा, अंकित-दिव्या बाकलीवाल तथा शुभम-तन्वी जैन ने मंगल कलश की स्थापना एवं दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद नवदेवता एवं भगवान आदिनाथ की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की गई। पंडित नवीन जैन के निर्देशन में सृष्टि जैन एंड पार्टी ने मधुर भजनों के बीच श्री 1008 शांतिनाथ मण्डल विधान सम्पन्न कराया। इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र विनोद जैन 'कोटखावदा', अशोक बाकलीवाल, मनीष बगड़ा, अमित पाटनी, अनिल ठोलिया, ज्ञानचंद सोगानी, नरेन्द्र पाण्ड्या, अंकित बाकलीवाल, भागचंद पाटनी एवं भागचंद पहाड़िया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तिमय वातावरण में मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, दीपिका जैन कोटखावदा, प्रेमलता बाकलीवाल, पुष्पा सोनी, सुनीता हल्दैनिया, अंजना बाकलीवाल, संतोष बगड़ा, दिव्या बाकलीवाल, रेखा पाटनी, शर्मिला पहाड़िया, सुमन ठोलिया, तन्वी जैन एवं देवांश बाकलीवाल सहित इन्द्र-इन्द्राणियों ने ''केसरिया-केसरिया आज हमारो रंग केसरिया'', ''पंखीड़ा ओ पंखीड़ाऱ तथा ऱमीठो-मीठो बोल थारो काई लागे'' जैसे भजनों पर भावपूर्ण भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए। पूजा विधान के दौरान मण्डल के चारों

वलयों में क्रमशः 8, 16, 32 और 64 अर्घ्य अर्पित किए गए। इसके बाद समुच्चय महाअर्घ्य के साथ विधान का समापन हुआ तथा 108 दीपों से भगवान शांतिनाथ एवं पंच परमेष्ठी की भव्य महाआरती की गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन बलिदान का प्रतीक : ब्रजेश कुमार त्रिपाठी

हावड़ा.शाबाश इंडिया। पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था सलकिया हिन्दी साहित्य गोष्ठी के तत्वावधान में बांधाघाट स्थित श्री हनुमान पुस्तकालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी में साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों एवं कवियों ने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोल इंडिया के चीफ विजिलेंस अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण एवं अभिन्न अंग बनाए रखने के प्रबल समर्थक थे। उनका प्रसिद्ध नारा ''एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे'' आज भी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन यह संदेश देता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल शब्दों से नहीं, बल्कि त्याग और बलिदान से सिद्ध होता है। मुख्य अतिथि डॉ. गिरिधर राय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी मात्र 33 वर्ष की आयु में 1934 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने थे। उन्होंने उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता और सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य किए, जिन्हें आज भी सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है। कार्यक्रम के

विश्व मानवाधिकार एसोसिएशन ने युवा उद्यमी एवं समाजसेवी प्रवीण बडोला का किया सम्मान

ब्यावर.शाबाश इंडिया। 8 जुलाई 2026। विश्व मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा युवा उद्यमी एवं समाजसेवी प्रवीण बडोला का माला, साफा, दुपट्टा एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनका जन्मदिन भी केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक अनिल गौतम, ब्यावर जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़, ब्यावर विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र धारीवाल तथा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष गीता गुप्ता अंजलि के सान्निध्य में आयोजित हुआ। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बाबूलाल आच्छा ने बताया कि सम्मान समारोह के दौरान विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र धारीवाल ने प्रवीण बडोला को साफा पहनाया, मंत्री प्रकाश मकाना ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ ने दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके पश्चात एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्मृति-चिन्ह भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। जिला महामंत्री सत्यकाम दाधीच ने बताया कि प्रवीण बडोला एक सक्रिय युवा उद्यमी एवं समाजसेवी हैं, जो अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं।

वीतराग भगवान की भक्ति में ही सच्चा सुख है: आर्यिका सुकाव्यमति माताजी

जयपुर.शाबाश इंडिया

नेमीसागर कॉलोनी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आर्यिका संघ के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में आर्यिका सुकाव्यमति माताजी ने कहा कि वीतराग भगवान की भक्ति और पूजन से ही जीवन में सच्चे सुख एवं आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर आर्यिका विष्णुमति माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि मंदिर में प्रवेश करते समय व्यक्ति को क्रोध, मान, माया और लोभ जैसी सभी कषायों का त्याग कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान के समक्ष कषाय करना तीव्र कर्मों के बंध का कारण बनता है। इसलिए श्रद्धालुओं को मंदिर में सदैव शांत, निर्मल और श्रद्धामय भावों के साथ प्रवेश करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि आर्यिका संघ का वर्तमान प्रवास नेमीसागर कॉलोनी में चल रहा है। इससे पूर्व मानसरोवर से नेमीसागर कॉलोनी तक आर्यिका संघ का भव्य मंगल विहार बैंड-बाजों एवं शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन कालाडेरा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती लक्ष्मी बगड़ा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। टी.सी. जैन एवं सुलोचना जैन ने शास्त्र भेंट किए, जबकि श्रीमती बुलबुल देवी गंगवाल ने पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रातःकाल आर्यिका संघ के सान्निध्य में नेमीसागर दिगम्बर जैन मंदिर में विश्व शांति एवं सर्वजन मंगल की कामना से शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात स्वाध्याय का आयोजन किया गया तथा सायंकाल आनंद यात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुनि श्री विशोध सागर जी का दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के लिए मंगल विहार, पाठशाला की छात्राओं का हुआ सम्मान

अशोकनगर.शाबाश इंडिया

8 जुलाई 2026। परम पूज्य आचार्य आर्जव सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री विशोध सागर जी महाराज ने बुधवार सायंकाल दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के लिए मंगल विहार किया। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भावभीनी विदाई देते हुए उनके मंगल विहार की अनुमोदना की। बगीचा मंदिर से प्रारंभ हुए विहार के दौरान मुनि श्री ने पार्श्वनाथ मंदिर पहुंचकर वंदना की और वहां से थूवोनजी के लिए पदविहार प्रारंभ किया। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कंसल, महामंत्री राकेश अमरोद, मंत्री विजय धुर्रा, मंत्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, संयोजक उमेश सिंघई, मनीष सिंघई सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इससे पूर्व आदीश्वर धाम, सुभाषगंज में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विशोध सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में परिश्रम करने वाला व्यक्ति केवल शरीर को नहीं, बल्कि संयम के मार्ग पर चलने वाला अपने जीवन का इतिहास भी बदल देता है। उन्होंने कहा कि मोक्षमार्ग पर चलने वाले संतों की सेवा करने वाले श्रद्धालुओं को भी आध्यात्मिक उन्नति का अवसर प्राप्त होता है। मुनि श्री ने कहा कि मानव जीवन गुणों के अर्जन और अवगुणों के त्याग के लिए मिला है। संसारी जीव प्रायः दूसरों के गुणों की अपेक्षा उनके दोषों को देखने का प्रयास करता है, जबकि आत्मकल्याण के लिए दृष्टिकोण बदलकर सद्गुणों को ग्रहण करने की आदत विकसित करनी चाहिए।

शांतिनगर सर्वोदय पाठशाला की छात्राओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला, शांतिनगर की छात्राओं को मुनि संघ के सान्निध्य में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि समाज को एक साथ मंगल प्रवचन, अभिषेक, शांतिधारा एवं महामंडल विधान जैसे अनेक धार्मिक आयोजनों का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अल्प प्रवास के बावजूद समाज ने संत सान्निध्य का भरपूर लाभ प्राप्त किया है तथा प्रतिदिन मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज के मंगल प्रवचनों का श्रवण करने का सौभाग्य मिल रहा है।

मुनि आदिसागर की जन्मस्थली पर आचार्य संघ का ऐतिहासिक आगमन, भव्य मंगल प्रवेश से धर्ममय हुआ दांता

त्याग, तप और सम्यक चरित्र ही आत्मकल्याण का सच्चा मार्ग : आचार्य वर्धमान सागर

आयुष पाटनी, भैंसलाना

दांता। प्रथमाचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज के प्रथम मुनि शिष्य आचार्य वीरसागर जी महाराज के प्रथम मुनि शिष्य आचार्य श्री 108 आदिसागर जी महाराज की जन्मस्थली दांता बुधवार को उस समय धर्ममय हो उठी, जब परम पूज्य आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और जयघोष के बीच हुआ। नगर में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मंगलगान एवं पुष्पवर्षा के साथ आचार्य संघ का भावभीना स्वागत किया। पूरा कस्बा जिनेंद्र भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। मंगल प्रवेश के उपरांत आयोजित धर्मसभा का शुभारंभ प्रथमाचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज के चित्र के अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद समाजजनों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए। संगीतमय भक्ति, पूजन एवं स्तवन के बीच पूरा पांडाल भक्तिरस से सराबोर हो गया। सायंकाल नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाआरती में भी सैकड़ों श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त किया। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने दांता की पावन भूमि का महत्व बताते हुए कहा कि यह आचार्य श्री 108 आदिसागर जी महाराज की जन्मस्थली है। उन्होंने मुनि आदिसागर जी के त्याग, तप और वैराग्यपूर्ण जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने सांसारिक वैभव और मोह-माया का परित्याग कर आत्मकल्याण तथा परमात्मा के मार्ग को अपनाया। उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और त्यागमय जीवन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। आचार्य श्री ने कहा कि जीवन का वास्तविक कल्याण धन, वैभव और भौतिक सुख-सुविधाओं से नहीं, बल्कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र से होता है। मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है। यदि यह अमूल्य जीवन केवल भोग-विलास, क्रोध, मान, माया और लोभ में ही व्यतीत हो जाए तो यह अवसर व्यर्थ चला जाता है। उन्होंने कहा कि आत्मा का कल्याण तभी संभव है, जब व्यक्ति आत्मचिंतन कर अपने दोषों को पहचाने और उन्हें दूर करने का सतत प्रयास करे। क्षमा, दया, संयम, त्याग और तप जैसे गुण मनुष्य को आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर करते हैं।